जादुई बकसा

बारबरा ब्रेनर द्वारा

चित्र: मैनुअल बोइक्स

जादुई बक्सा

बारबरा ब्रेनर द्वारा

चित्र: मैनुअल बोइक्स
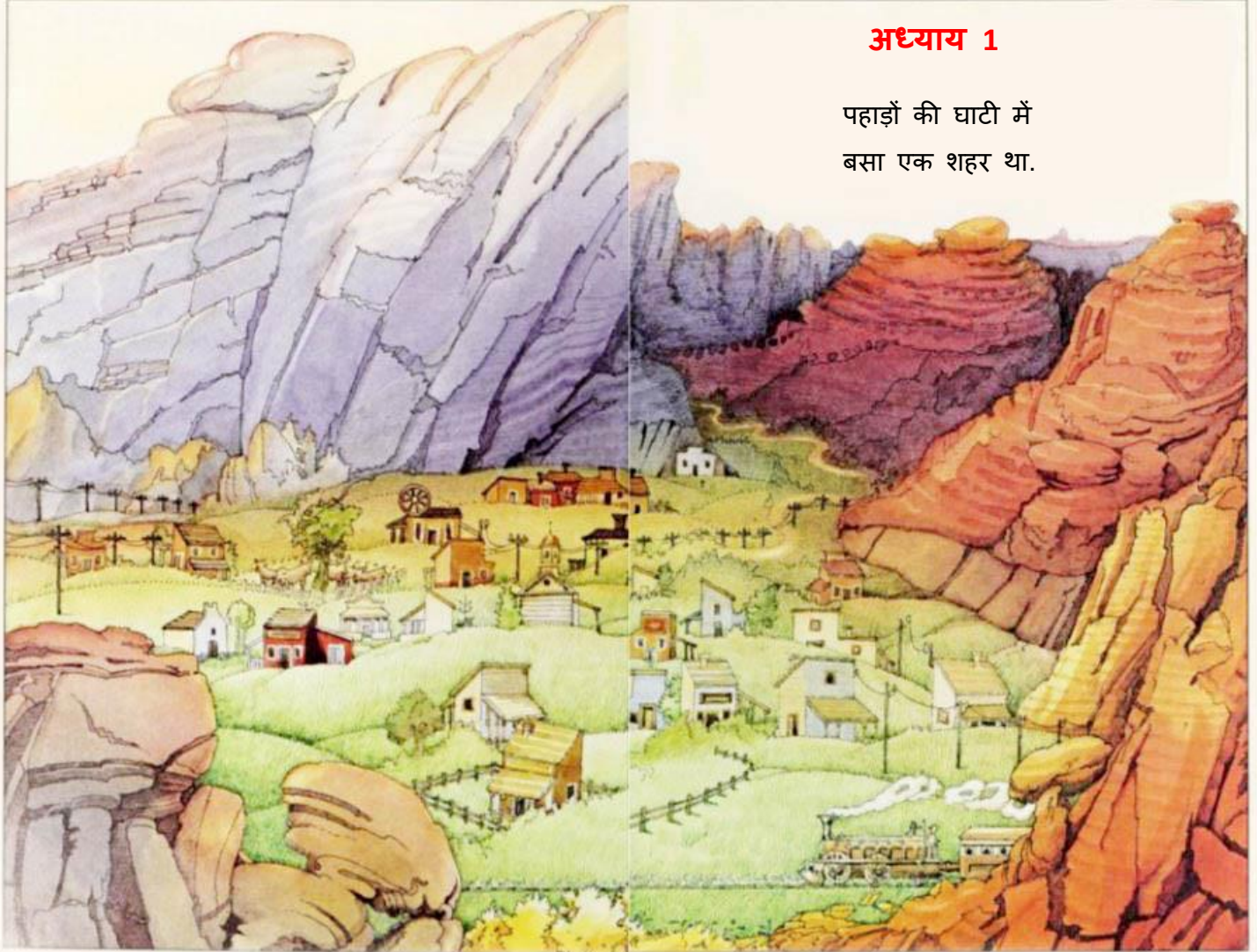
अध्याय 1

पहाड़ों की घाटी में

बसा एक शहर था.
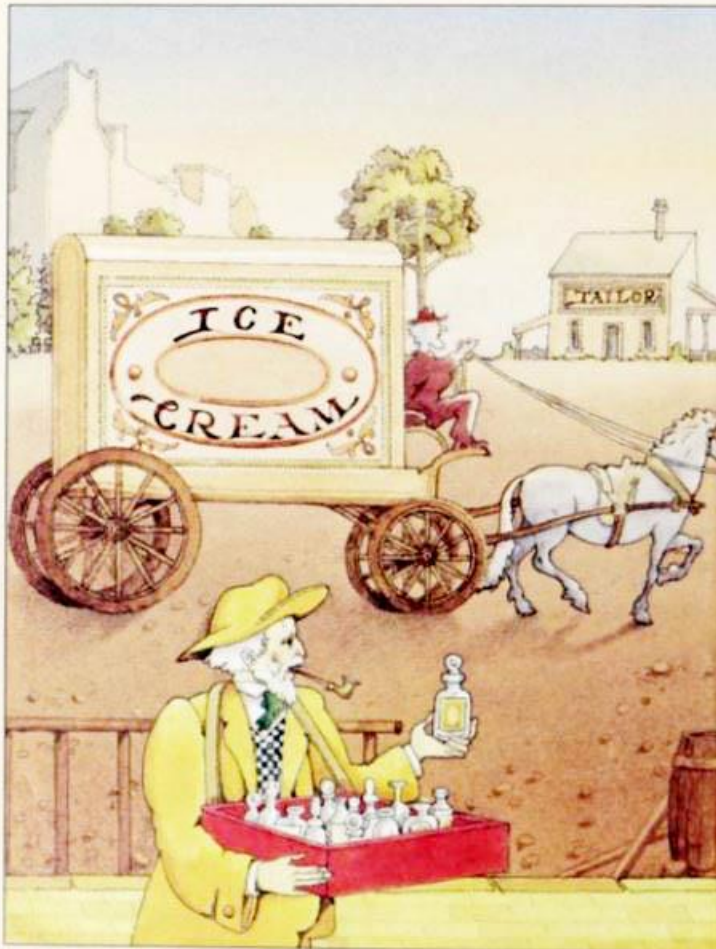
शहर एक व्यस्त जगह थी.
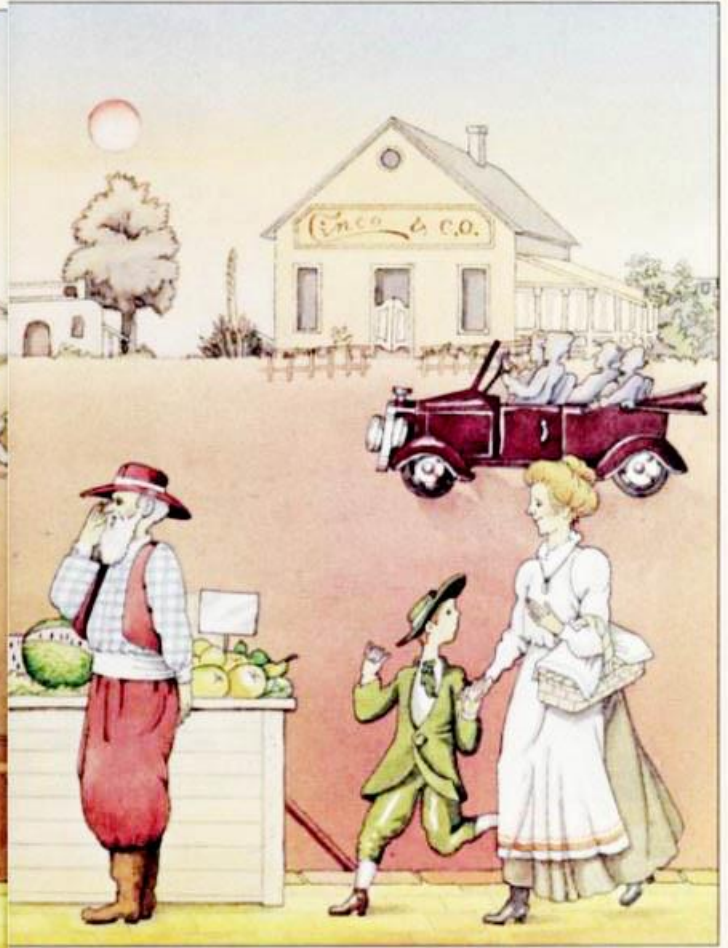
वहां तमाम यात्री आते और चले जाते थे.

फेरीवाले आते और चले जाते थे.
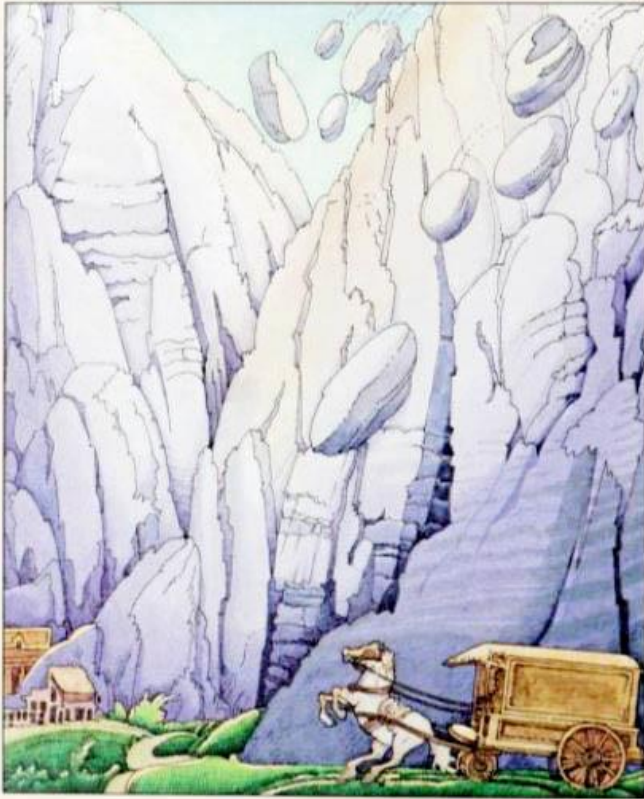
फिर एक दिन वहां चट्टानें खिसक गईं.

घरों जितनी बड़ी-बड़ी चट्टानें घाटी में लुढ़ककर आ गईं.

चट्टानें लुढ़ककर सड़कों और रेल पटरी पर आकर बैठ गईं.
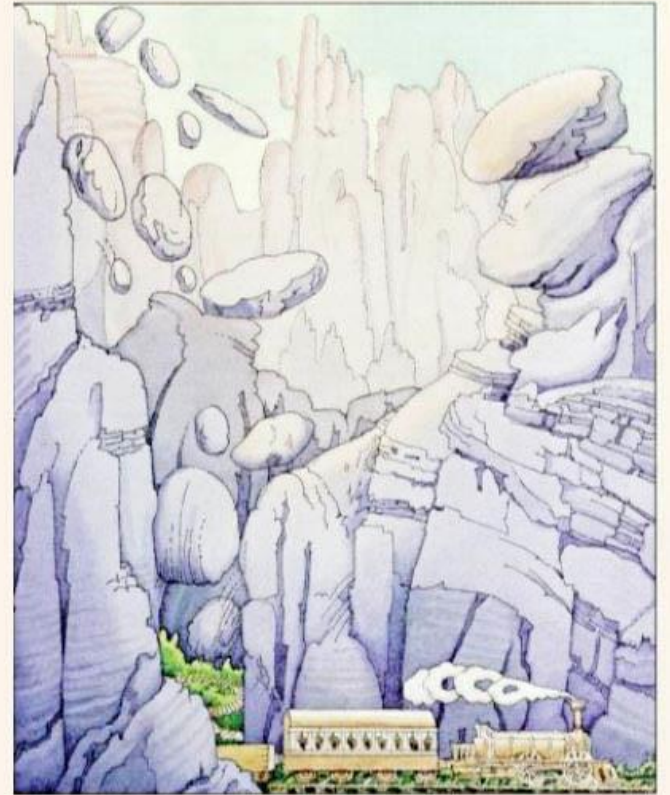
उन्होंने शहर में प्रवेश करने वाले छोटे रास्तों को बंद कर दिया.

अब कोई भी अंदर-बाहर नहीं आ-जा सकता था.

चट्टानों के खिसकने से वो शहर बाकी दुनिया से कट गया था.

बहुत सारे वर्ष बीत गए.

पुरानी सड़कों, रेल पटरियों और फुटपाथों पर घास उग आई.

इस बीच बाहर की दुनिया में चीजें बदलीं. लेकिन उस शहर में कोई भी यात्री या फेरीवाला बदलावों के बारे में बताने नहीं आया. इसलिए वहां के लोग जेट विमान, कंप्यूटर, टेलीविजन और टूथपेस्ट के बारे में नहीं जान पाए.
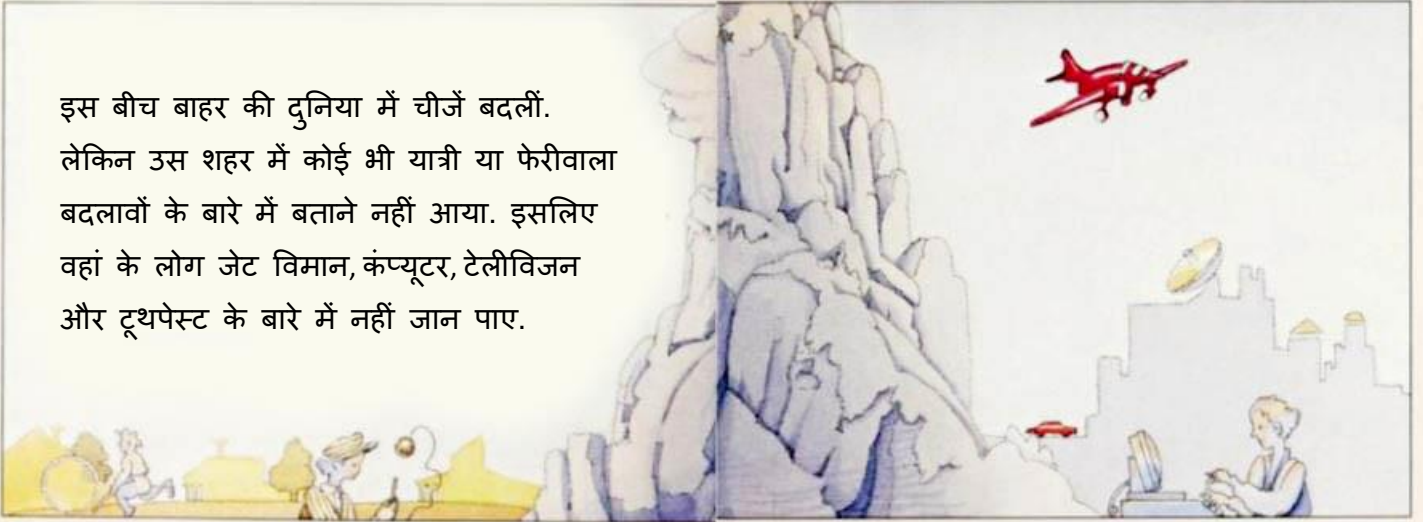
फिर भी वे खुश थे. वे गेंद खेलते थे और किताबें पढ़ते थे. वे रजाइयां बनाते और अपनी बीन्स की फलियों और फूलों की देखभाल करते थे.

वे अक्सर मुस्कुराते थे. उन्हें इस बात का कोई मलाल नहीं था कि वहां बाहर से कोई नहीं आता-जाता था.
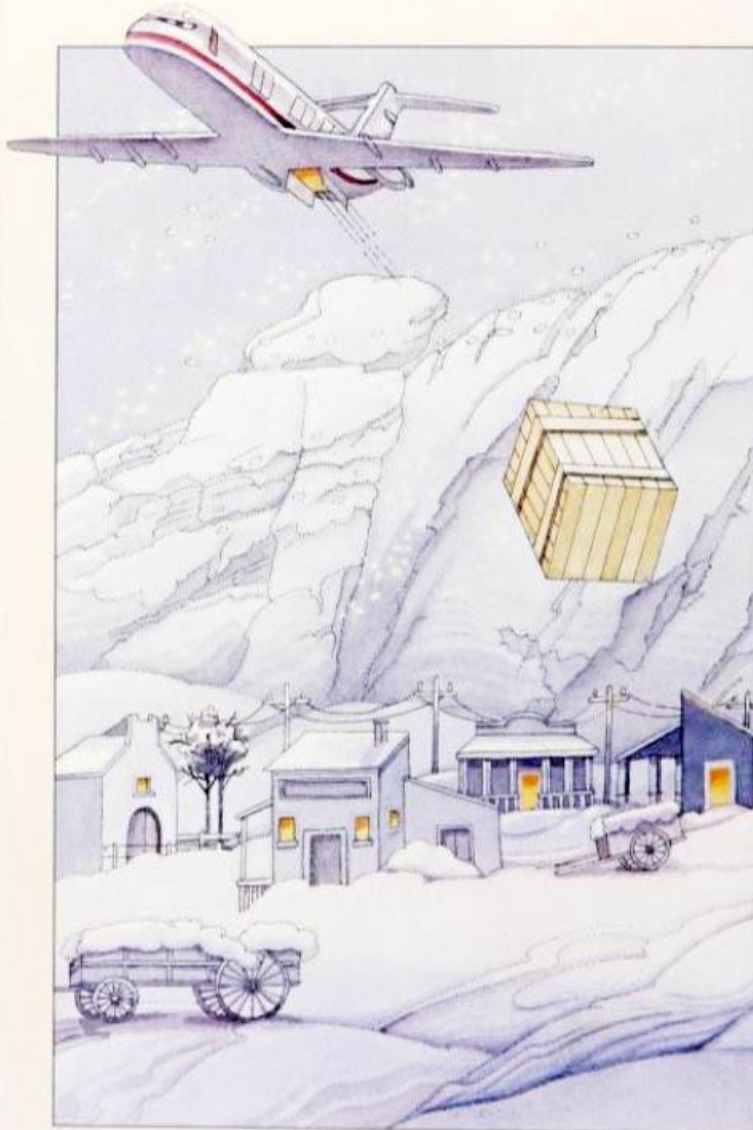
फिर एक दिन एक मालवाहक विमान बर्फीले तूफ़ान में खो गया. गैस बचाने के लिए पायलट ने जहाज़ का कुछ माल नीचे गिरा दिया. वो आकाश से उड़ता हुआ आया और शहर के मध्य में एक बर्फ के ढेर पर जाकर गिरा.
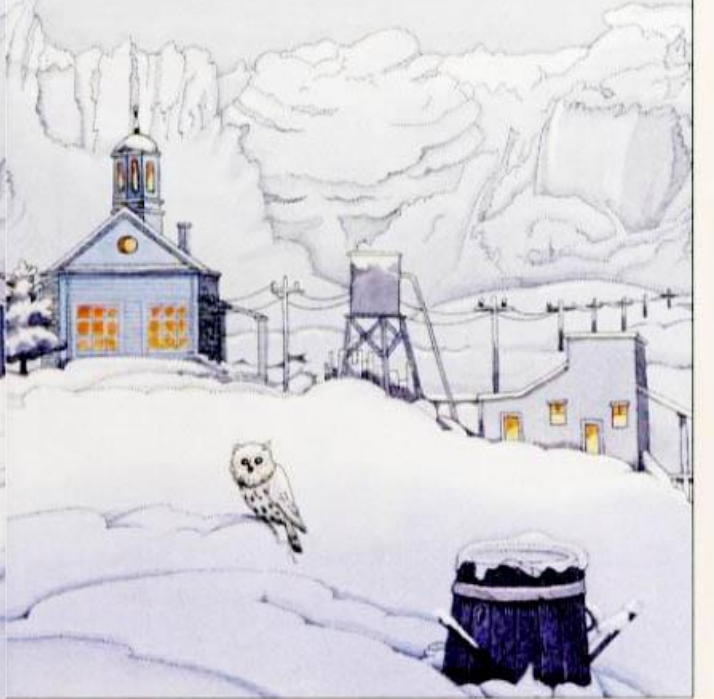
अध्याय दो

विमान को किसी ने नहीं देखा. लेकिन सभी ने एक बक्सा देखा. कुछ नया आया था! कुछ ही समय में सभी लोग शहर के चौक में उसे देखने के लिए एकत्रित हुए.

उन्होंने डिब्बे की ओर घूरकर देखा. "यह क्या हो सकता है?" उन्होंने दबी आवाज़ में एक-दूसरे से पूछा, जैसे कि डिब्बे के अंदर की चीज़ उन्हें सुन सकती हो.
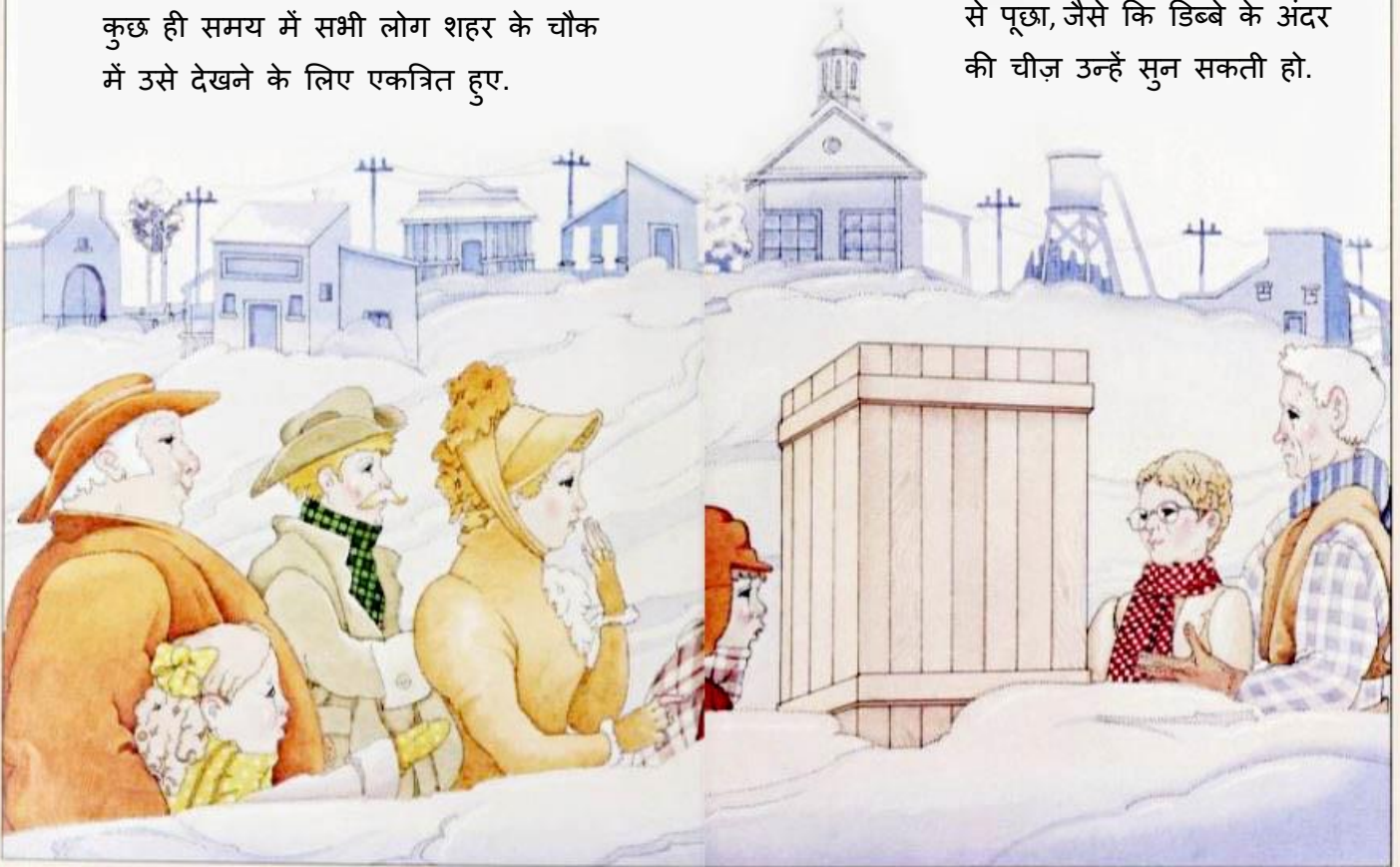
आख़िर में मार्विन नाम के एक लड़के के दिमाग में एक बढ़िया विचार आया.

"चलो इसे खोलकर क्यों न देखें!" वो चिल्लाया.

फिर मेयर ने एक हथौड़ा मंगवाया और बक्से को तोड़ दिया.

जैसे ही लकड़ी दूर गिरी, भीड़ शांत हो गई.
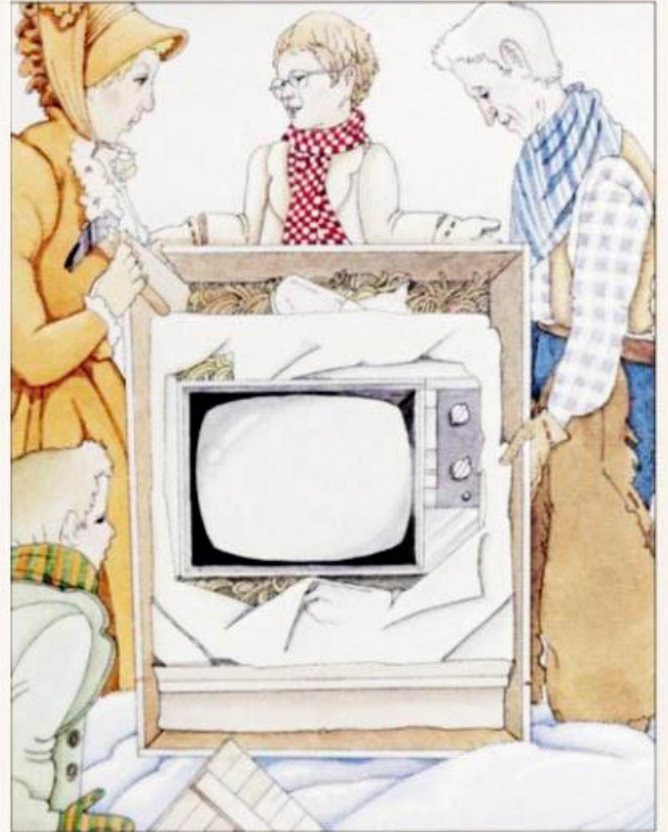
फिर किसी ने कहा,
"इसमें तो एक और डिब्बा है!"
तभी एक छोटी बच्ची को स्क्रीन पर
खुद की एक तस्वीर नजर आई.

"यह एक प्रकार का दर्पण है," उसने कहा.
"यह एक प्रकार की मेज़ है," एक आदमी ने कहा,
फिर उसने उस पर अपनी सोडा बोतल रख दी.
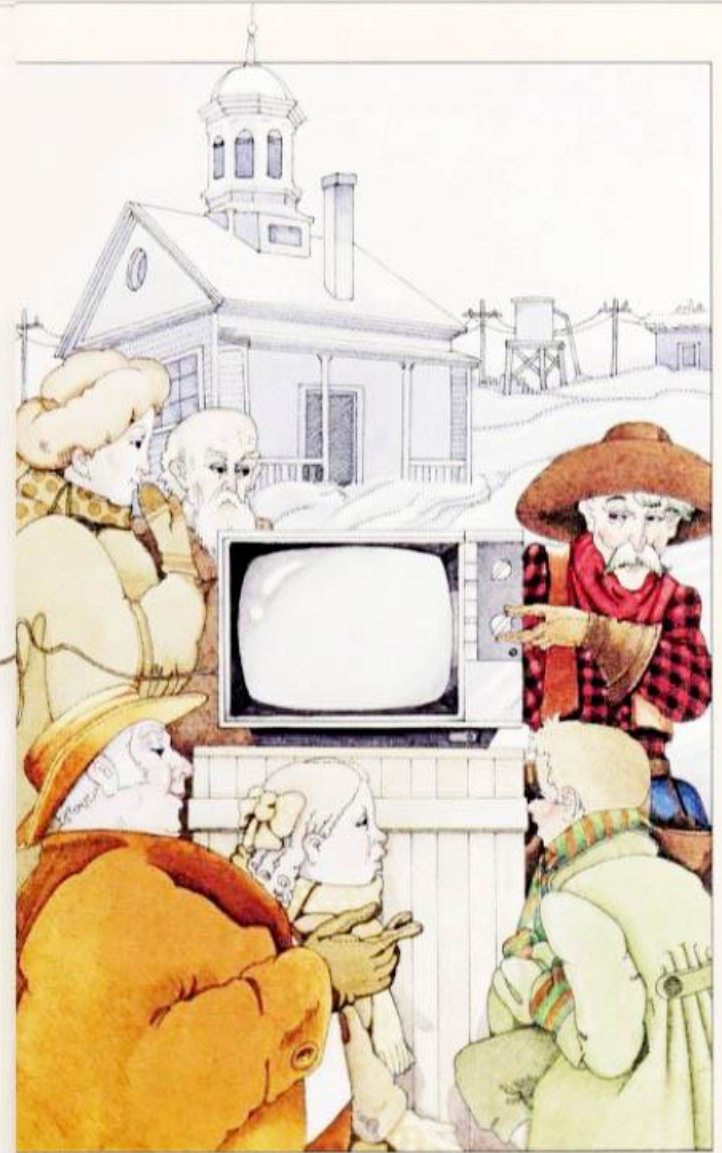
एक अन्य व्यक्ति ने कहा, "हो सकता है कि वो एक लॉकर हो."

"हो सकता है कि उस लॉकर को खोलने के लिए हमें उसकी घुंडियों को घुमाना पड़े."

यह विचार जोर पकड़ने लगा.

फिर मार्विन ने दुबारा कहा,

"इसमें एक इलेक्ट्रिक प्लग भी है."

फिर वे उस बक्से को टाउन हॉल में ले गये.

मेयर ने उसका प्लग लगाया.

लेकिन कुछ न हुआ.

यदि मार्विन न होता तो शायद वहां पूरे दिन कुछ नहीं होता.
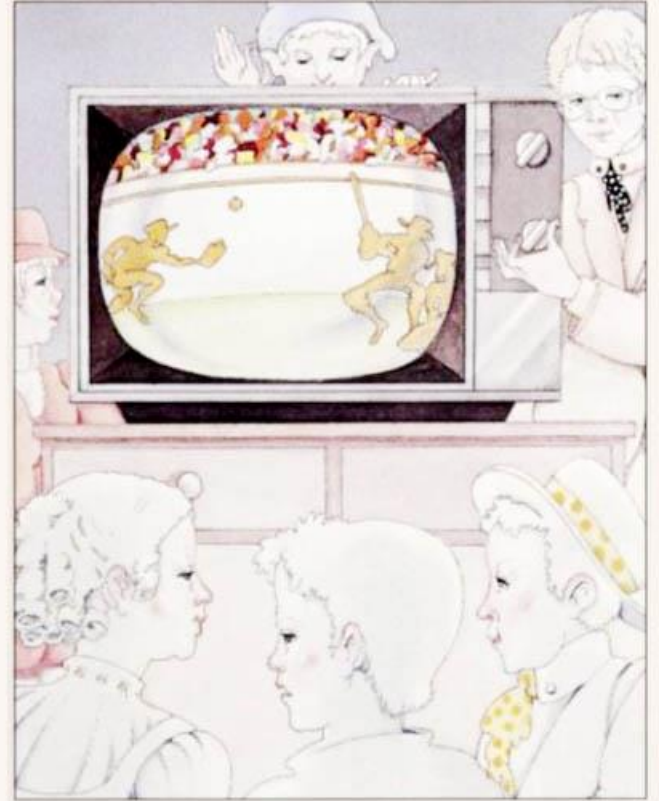
"घुंडी को घुमाएं," उसने कहा. लोगों ने वही किया.

पहले एक घुंडी, फिर दूसरी, और फिर—जादुई!

फिर लोगों को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ.

"क्या आपको भी वही दिखता है जो मुझे दिखता है?"

लोग एक-दूसरे से पूछते रहे.
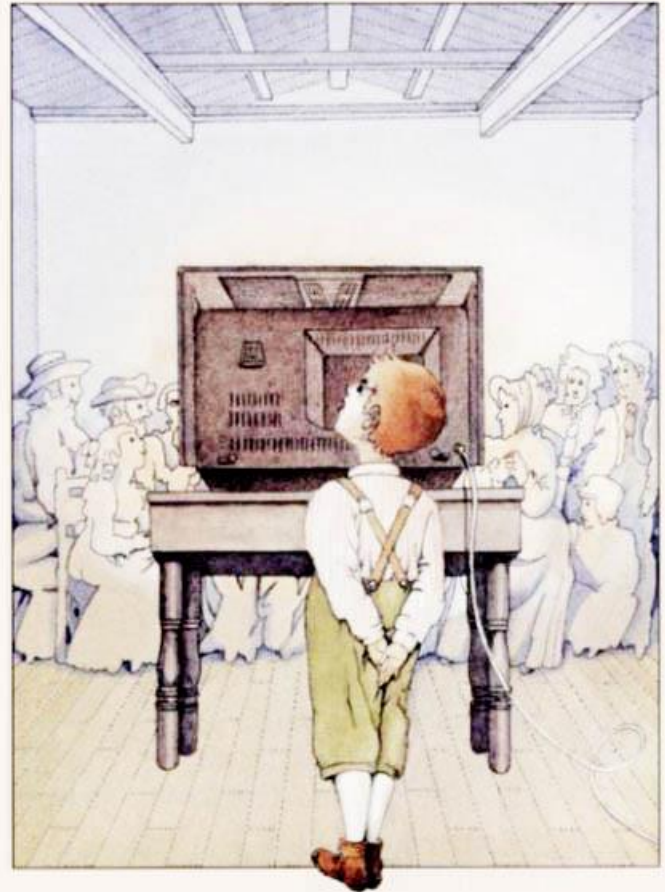
एक बच्चा तो बक्से के पीछे भागकर गया

यह देखने के लिए कि क्या बक्से

के अंदर छोटे-छोटे लोग बैठे थे.

उस रात मेयर ने सभी को एक साथ बुलाया.

"सुनो, दोस्तों," मेयर ने कहा.

"यह बक्सा स्पष्ट रूप से बाहर से आया एक उपहार है.

आओ, हम अपनी आँखें खुली रखें
और देखें कि क्या उसमें कोई संदेश छिपा है."
सभी लोगों ने तालियां बजाईं.
सभी लोग वहीं बैठ गये
और देखने लगे.

अध्याय 3

जल्द ही शहर में जीवन बदल गया.

हर सुबह लोग बक्सा देखने आते थे.
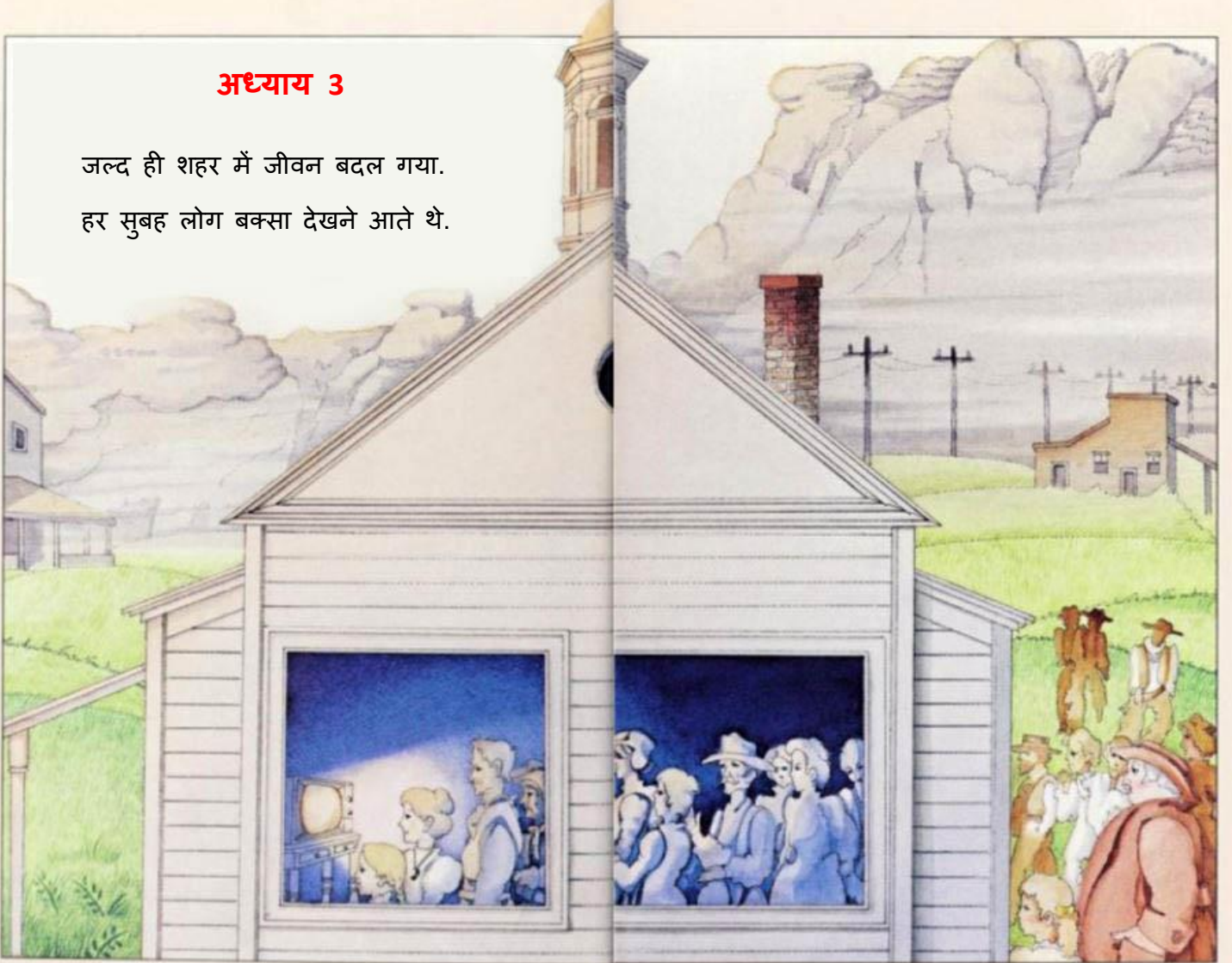
उन्होंने उसमें कार्टून, विज्ञापन और गेम-शो देखे.

उन्होंने उसमें लोगों को गाते और रोते हुए देखा,

खाना और शूटिंग करते देखा.

और वे उसमें से कुछ भी

बनाना नहीं जानते थे.

लेकिन एक बात निश्चित थी:

जितना अधिक उन्होंने देखा,

वे उतना ही उसे और देखना चाहते थे.

मार्विन को छोड़कर बाकी सभी लोग.

फिर लोग पूरे दिन उसी बक्से को देखने लगे.
वे वहां अपना पिकनिक लंच लाए.
उससे फर्श चिपचिपा हो गया
क्योंकि लोग बक्से को देखने में इतने व्यस्त थे
कि कोई भी सफ़ाई करने के लिए नहीं रुका.
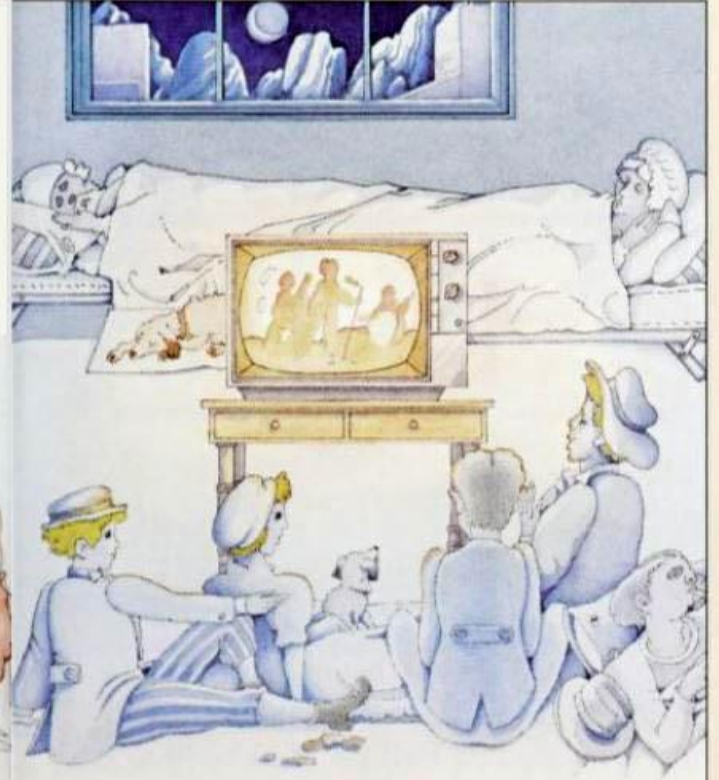
जल्द ही लोगों ने निर्णय लिया कि सोने के लिए
घर जाना मूर्खतापूर्ण था. फिर वे टाउन हॉल में ही
अपने बिस्तर ले आए.
अब वहां गर्मियों की छुट्टी के शिविर में होने जैसा
था, लेकिन उससे फर्श और भी चिपचिपा हो गया.

बक्सा दिन-रात चालू रहता था.
अब कोई ने गेंद खेलता और न ही किताबें पढ़ता था.
कोई भी रजाई नहीं बनाता या और न ही अपनी
बीन्स फलियों या फूलों की देखभाल करता था.
अब लोग ज्यादा मुस्कुराते भी नहीं थे.
लोग बक्से को देखना बंद करना चाहते थे.
लेकिन उन्हें डर था कि कहीं वे संदेश देखने से चूक
न जाएँ.

एक दिन मेयर ने अपने चारों ओर देखा.
"हमारा शहर बर्बाद हो रहा है!" उन्होंने कहा.
“आदमियों ने शेविंग बंद कर दी है.
महिलायें पूरे दिन स्नान वस्त्र पहने रहती हैं.
बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं.
दुकानदार अपनी दुकानों की देखभाल नहीं करते हैं.
और बीन्स की फलियां मर रही हैं!

"मुझे पता है कि यह बक्सा एक उपहार है.
शायद यह एक जादू है," मेयर ने उदास होकर कहा.
"और शायद उसमें कोई संदेश भी है.
लेकिन अच्छा होता अगर वो हमारे शहर में कभी
नहीं आया होता."

अचानक, वहाँ मार्विन आ गया.
उसने मेयर की ओर देखा.
फिर उसने बाहर भीड़ की ओर देखा.
उसने अपना गला साफ़ करते हुए उसने कहा,
"इसमें हमारे लिए कोई संदेश नहीं है.

यह बक्सा सिर्फ एक मशीन है.
मैंने उसके बारे में "आफ्टर रेडियो"
नामक एक पुस्तक में पढ़ा है.

"तुम्हारा मतलब है कि यह कोई जादू नहीं है?"
मेयर ने पूछा.
"हाँ, बस थोड़ा सा जादू है," मार्विन ने कहा
"लेकिन थोड़ा सा जादू बहुत दूर तक जाता है."
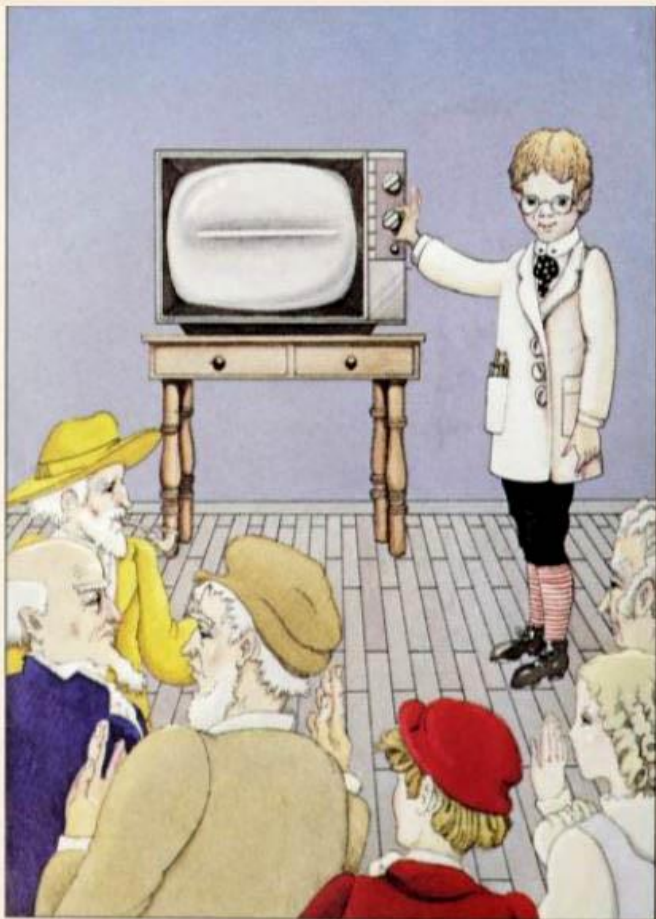
फिर उसने उस बक्से की एक घुंडी घुमाई.

बक्सा बंद हो गया.

सभी लोगों ने अपनी आंखें मलीं.

ऐसा लग रहा था मानों वे

एक गहरी नींद से जागे हों.

उसके बाद लोग अपने-अपने पुराने ढर्रों पर लौटे.

अब वे गेंद खेलते थे और किताबें पढ़ते थे. उन्होंने रजाइयां बनाईं और अपनी बीन्स की फलियों और फूलों की देखभाल की.
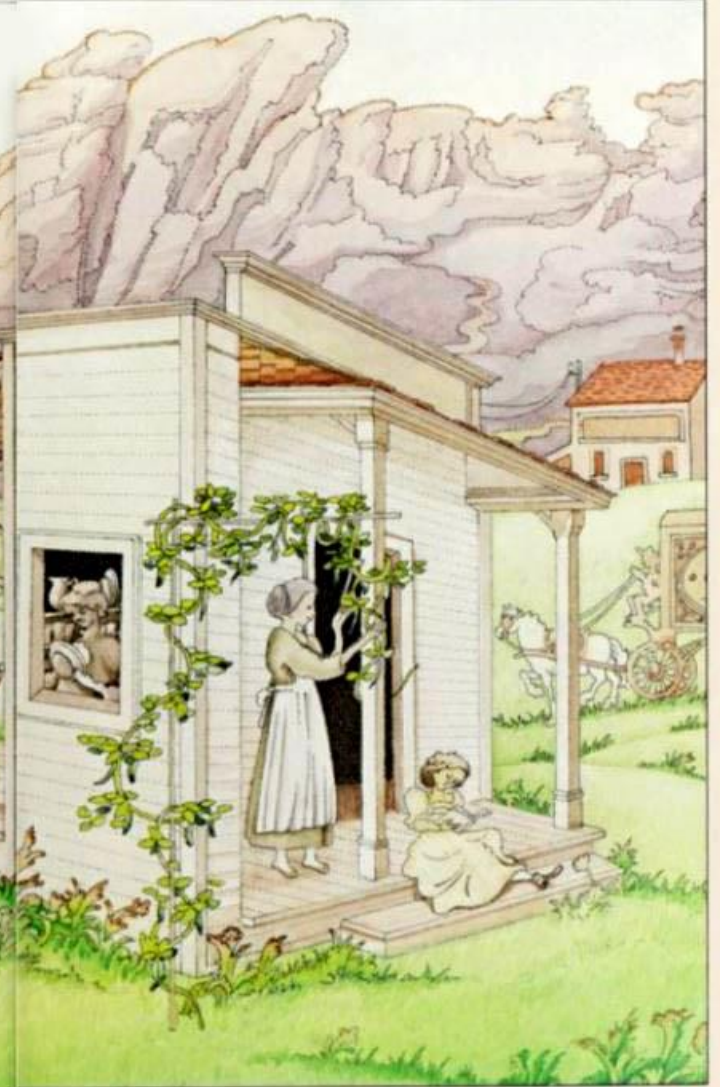
लेकिन जब वे चाहते थे कि दुनिया के
बाहर का कुछ समाचार उनके शहर में आए,
तो वे बक्सा चालू कर देते थे.

और, जैसा मार्विन ने कहा,
उसमें बस थोड़ा सा जादू था.

अंत